मजबूत मांग के साथ अर्थव्यवस्था में तेजी

त्योहारी सीजन, जीएसटी सुधार और ग्रामीण-शहरी मांग से गति में इजाफा : वित्त मंत्रालय

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर. वित्त मंत्रालय की सोमवार को जारी एक मासिक रिपोर्ट में कहा गया है कि वस्तु एवं सेवा कर सुधारों के कार्यान्वयन और त्योहारी सीज़न के साथ ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में माँग की स्थिति मज़बूत होने से देश की आर्थिक गतिविधियों में तेज़ी बनी हुई है.

सितंबर, 2025 के लिए इस रिपोर्ट में कहा गया है, मुद्रास्फीति नियंत्रण में है और खाद्य श्रेणियों में अपस्फीति से इसमें मदद मिली है. वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही में खुदरा मुद्रास्फीति घट कर 1.7 प्रतिशत तक आई है. गैर-खाद्य और गैर-ईंधन वस्तुओं की कीमतें स्थिरता के साथ सितंबर 2025 में मुख्य मुद्रास्फीति अनुमानित 4.6 प्रतिशत रही. वित्त मंत्रालय ने कहा कि विनिर्माण और सेवा क्षेत्र ने आपूर्ति पक्ष में अच्छा विस्तार किया है. वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद में अनुमान से ज़्यादा वृद्धि और दूसरी तिमाही में लगातार वृद्धि के रुझानों को देखते हुए, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने चालू वित्त वर्ष के वृद्धि के अनुमान को सुधार किया है और इसके 6.6 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है.

> केंद्रीय बैंक द्वारा हाल ही में किए गए नीतिगत बदलावों की सराहना करते हुए, रिपोर्ट में कहा गया है कि बैंकिंग प्रणाली में पर्याप्त तरलता बनाए रखने के आरबीआई के प्रयासों ने आर्थिक गतिविधियों को और मजबूत करने के लिए संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है. आरबीआई की हालिया नियामकीय और विकास नीति, व्यापक संरचनात्मक सुधारों के साथ विवेकपूर्ण व्यवहार को दर्शाते हुए, उभरती हुई व्यापक आर्थिक परिस्थितियों के प्रति एक संतुलित प्रतिक्रिया को दर्शाती है.

कंपनी ने विंटर सीज़न में 250 फ्लाइट्स रोजाना चलाने का ऐलान किया

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर. एयरलाइन कंपनी स्पाइसजेट के शेयरों में सोमवार को जोरदार तेजी दर्ज की गई. बीएसई पर कंपनी का शेयर 6 प्रतिशत उछलकर 40.59 के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गया जो पिछले तीन महीनों का उच्चतम स्तर है. पिछले तीन कारोबारी सत्रों में ही स्पाइसजेट के शेयरों में 22.5 प्रतिशत की तेजी आई है. सोमवार को स्टॉक 38.19 पर खुला और तेजी के साथ 40 रुपये के पार निकल गया. स्पाइसजेट ने घोषणा की वह इस विंटर सीज़न में 250 फ्लाइट्स प्रतिदिन ऑपरेट करेगी. कंपनी गर्मियों के सीजन में 125 और पिछले साल की सर्दियों में 150 फ्लाइट्स चला रही थी.

10 साल में सबसे अधिक डॉलर का निर्यात

100 से अधिक देशों में 20 अरब डॉलर के उत्पादों का निर्यात

कुल बिक्री को 80 अरब डॉलर पर पहुंचाने का लक्ष्य

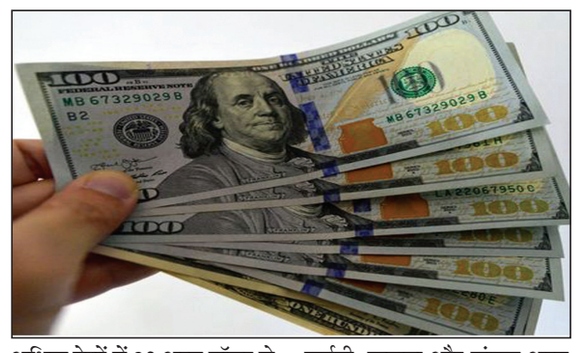

नयी दिल्ली, 27 अक्टूबर. भारतीय निर्यातकों ने अमेजन के माध्यम से पिछले 10 साल में दुनिया के 100 से अधिक देशों में 20 अरब डॉलर के उत्पादों का निर्यात किया है.

भारत में अमेजन के वैश्विक बिक्री प्रमुख श्रीनिधि कलवापुडी ने सोमवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि अमेजन ने साल 2015 में भारतीय ेताओं के लिए वैश्विक बाजार के दरवाजे खोले थे. अब तक अमेजन के प्लेटफॉर्म के माध्यम से 100 से अधिक देशों में 20 अरब डॉलर से ज्यादा के भारतीय उत्पादों की बिक्री की गई है. कंपनी का लक्ष्य साल 2030 तक कुल बिक्री को 80 अरब डॉलर पर पहुंचाने का है. उन्होंने बताया कि भारतीय उत्पादों के लिए अमेजन के माध्यम से सबसे बड़ा आयातक देश अमेरिका रहा है. इसके बाद क्रमश: ब्रिटेन, जर्मनी, कनाडा और संयुक्त अरब अमीरात का स्थान है. अमेरिका में भारतीय उत्पादों पर 50 प्रतिशत आयात शुल्क लगाने के निर्णय से बिक्री पर असर के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि अभी आयात शुल्क बढ़े सिर्फ दो महीने ही हुए हैं और इस समय कोई टिप्पणी करना जल्दबाजी होगी.

कमर्शियल वाहनों पर जीएसटी कटौती से ऑपरेटर्स को राहत

लागत में कमी से नकदी प्रवाह सुधरेगा

नई खरीद में फिलहाल सुस्ती बरकरार

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर. कमर्शियल वाहन उद्योग के लिए राहत भरी खबर है. केंद्र सरकार द्वारा वस्तु एवं सेवा कर की दर 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत किए जाने से फ्लीट ऑपरेटर्स की परिचालन लागत में कमी आएगी. हालांकि, रेटिंग एजेंसी क्रिसिल का मानना है कि नए वाहनों की खरीदारी में तत्काल बड़ा उछाल देखने को नहीं मिलेगा.

फ्लीट ऑपरेटर्स के लिए सरकार का हालिया निर्णय राहत लेकर आया है. कमर्शियल वाहनों पर जीएसटी दर घटाकर 28 प्रतिशत से 18 प्रतिशत किए जाने से उनकी लागत संरचना पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा. रेटिंग एजेंसी क्रिसिल की ताज़ा रिपोर्ट के अनुसार, इस कदम से परिचालन लागत में गिरावट आने के बावजूद, बाजार में नए वाहनों की खरीदारी फिलहाल धीमी रह सकती है. रिपोर्ट में कहा गया है कि घरेलू फ्लीट ऑपरेटर्स की आय चालू वित्त वर्ष में 8 से 10 प्रतिशत तक बढ़ने की संभावना है. इसका प्रमुख कारण घरेलू माल परिवहन की बढ़ती मांग और आयात-निर्यात गतिविधियों में सुधार है. एजेंसी ने बताया कि ट्रक और लॉजिस्टिक्स ऑपरेटर्स को बढ़ते फ्रेट वॉल्यूम और स्थिर भाड़ा दरों से समर्थन मिलेगा. क्रिसिल का कहना है कि उच्च राजस्व और स्थिर लाभप्रदता से फ्लीट ऑपरेटर्स की नकदी स्थिति में सुधार होगा. इससे उनकी वर्किंग कैपिटल की जरूरतें आंशिक रूप से पूरी हो सकेंगी और शॉर्ट-टर्म कर्ज पर निर्भरता घटेगी.

कमर्शियल वाहन बिक्री धीरे-धीरे सुधार के संकेत

रिपोर्ट ने यह भी चेताया कि वाहन निर्माताओं की ओर से कीमतों में संभावित वृद्धि और डीज़ल की कीमतों में उतार-चढ़ाव जैसी चुनौतियाँ आने वाले महीनों में मांग को प्रभावित कर सकती हैं. विश्लेषकों का मानना है कि त्योहारी सीजन और बढ़ते लॉजिस्टिक नेटवर्क विस्तार से अगले कुछ तिमाहियों में कमर्शियल वाहन बिक्री धीरे-धीरे सुधार के संकेत दे सकती है.

सोने की कीमतों से परिवारों की संपत्ति बढ़ी

कागजी नेटवर्थ में उछाल, लेकिन खपत पर असर सीमित

सोने की कीमतों में उछाल के बावजूद खर्च में तेजी नहीं आई

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर.सोने के दामों में आई तेज उछाल ने भारतीय परिवारों की कुल संपत्ति को रिकॉर्ड स्तर तक पहुँचा दिया है. लेकिन दिलचस्प बात यह है कि इस कागजी अमीरी ने खपत या उपभोग पर कोई खास असर नहीं डाला है. सिस्टमैटिक्स रिसर्च की ताज़ा रिपोर्ट में कहा गया है कि बढ़ी हुई संपत्ति का असर तभी दिखता है जब परिवार सोने को बेचते हैं, जो आमतौर पर आर्थिक संकट के समय ही होता है.

सिस्टमैटिक्स रिसर्च की हालिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि सोने की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी से भारतीय परिवारों की नेट वर्थ तो बढ़ी है, लेकिन इसने उपभोग पर कोई ठोस प्रभाव नहीं डाला. रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में उपभोग का असली चालक आय वृद्धि है, जो कोविड के बाद से सुस्त बनी हुई है. सोने की कीमतों में उछाल के बावजूद खर्च में तेजी नहीं आई है. विश्लेषकों ने बताया कि सोने की ऊँची कीमतें 'नेशनल वेल्थ इफेक्ट' तो पैदा करती हैं — यानी संपत्ति का आभास बढ़ाती हैं — लेकिन जब तक लोग सोना बेचकर नकदी नहीं निकालते, तब तक खर्च में कोई वास्तविक बढ़ोतरी नहीं होती.

> हाल के महीनों में सोने को गिरवी रखकर लिए जा रहे ऋणों में वृद्धि देखी गई है — जो उपभोग में बढ़ोतरी नहीं, बल्कि आर्थिक दबाव का संकेत है. सिस्टमैटिक्स ने कहा कि सोने पर आधारित लोन वृद्धि, उपभोक्ता आत्मविश्वास या खर्च बढ़ने का नहीं बल्कि नकदी प्रवाह की तंगी का संकेत है. इससे स्पष्ट है कि सोने की ऊंची कीमतें रोज़मर्रा की खपत में वृद्धि का कारण नहीं, बल्कि आर्थिक सुरक्षा के विकल्प के रूप में काम कर रही हैं.

इंडियन ऑयल ने दूसरी तिमाही में कमाया 7,610 करोड़ रुपये का मुनाफा

नयी दिल्ली, 27 अक्टूबर. देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल ने चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में एकल आधार पर 7,610 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया. पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में उसका मुनाफा 180 करोड़ रुपये और चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 5,689 करोड़ रुपये रहा था.

कंपनी के निदेशकमंडल की सोमवार को हुई बैठक में वित्तीय परिणामों को मंजूरी दी गयी. उसने बताया कि तिमाही के दौरान उसका कुल राजस्व 4.07 प्रतिशत बढ़कर 2,04,515 करोड़ रुपये पर पहुंच गया.

नये शिखर पर शेयर बाजार

567 अंक से उछला सेंसेक्स

170 अंक से बढ़ा निफ्टी

मुंबई, 27 अक्टूबर. अमेरिका और चीन के बीच व्यापार वार्ता में सकारात्मक प्रगति और वित्त मंत्रालय की मासिक रिपोर्ट में दूसरी तिमाही में भी भारतीय अर्थव्यवस्था के मजबूत बने रहने की खबरों के बाद घरेलू शेयर बाजारों में सोमवार को तेजी रही और प्रमुख सूचकांक रिकॉर्ड ऊंचाई पर बंद हुये.

बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 566.96 अंक (0.67 प्रतिशत) की बढ़त के साथ 84,778.84 अंक पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक 170.90 अंक यानी 0.66 फीसदी की बढ़त में 25,966.05 अंक पर बंद हुआ. यह दोनों सूचकांकों का अब तक का उच्चतम बंद स्तर है. मझौली और छोटी कंपनियों में ज्यादा तेजी रही. निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.05 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.82 प्रतिशत की बढ़त में रहा. वित्त मंत्रालय की आज जारी मासिक रिपोर्ट में कहा गया है कि दूसरी तिमाही में भी अर्थव्यवस्था की रफ्तार मजबूत बनी हुई है.

पुणे प्लांट में 345 करोड़ के निवेश की घोषणा

मुंबई, 27 अक्टूबर. सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी और कनेक्टेड ऑटोमोटिव प्रौद्योगिकी में दुनिया की अग्रणी कंपनी हार्मन ने सोमवार को पुणे के चाकण में अपने ऑटोमोटिव इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण संयंत्र के विस्तार के लिए 345 करोड़ रुपये (4.2 करोड़ डॉलर) के नये निवेश की घोषणा की.

निवेश में तत्काल विस्तार के लिए 45 करोड़ रुपये (55 लाख डॉलर) और अगले तीन वर्षों में एडवांस्ड टेलीमैटिक्स और नेक्स्ट-जनरेशन ऑटोमोटिव कनेक्टिविटी कार्यक्रमों के समर्थन के लिए अतिरिक्त 300 करोड़ रुपये (3.65 करोड़ डॉलर) शामिल हैं. इसके साथ, हार्मन का पुणे प्लांट में साल 2014 से अब तक कुल निवेश 554 करोड़ रुपये (6.7 करोड़ डॉलर) तक पहुंच गया है. यह विस्तार 2027 तक पुणे में 300 नयी नौकरियां सृजित करेगा. कंपनी ने बताया कि 345 करोड़ रुपये के नये निवेश से उत्पादन क्षमता में 50 प्रतिशत की वृद्धि होगी. कंपनी हरित विनिर्माण पर फोकस करेगी और 2030 तक 100 शत-प्रतिशत हरित ऊर्जा के इस्तेमाल का लक्ष्य हासिल करेगी.

कच्चे तेल की कीमतों में बढ़त

डॉलर के मुकाबले रुपया 12 पैसे गिरकर 87 .95 पर पहुँचा

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर. अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि और डॉलर की मजबूती ने सोमवार को भारतीय रुपये पर दबाव बनाया. शुरुआती कारोबार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 12 पैसे कमजोर होकर 87.95 के स्तर पर आ गया.

सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को विदेशी मुद्रा बाजार में भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 12 पैसे गिरकर 87.95 पर पहुँच गया. यह गिरावट मुख्य रूप से कच्चे तेल की बढ़ती अंतरराष्ट्रीय कीमतों और विदेशी पूंजी निकासी के दबाव के चलते दर्ज की गई. विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि अमेरिका-चीन व्यापार समझौते की संभावनाओं से वैश्विक बाजारों में कच्चे तेल की मांग को लेकर आशावाद बढ़ा है. इसी उम्मीद में तेल की कीमतें ऊपर जा रही हैं, जिससे आयात बिल में वृद्धि की आशंका से रुपये पर दबाव बना है. अंतरबैंक विदेशी मुद्रा बाजार में रुपया सोमवार सुबह 87.87 पर खुला और शुरुआती सौदों में 87.95 तक गिर गया. यह पिछले सत्र के बंद भाव 87.83 से 12 पैसे की गिरावट है. सीआर फॉरेक्स एडवाइजर्स के प्रबंध निदेशक अमित पबारी ने कहा, फिलहाल रुपया सावधानी और उम्मीद के बीच झूलता हुआ दिखाई दे रहा है. अगर यह 87.50 के स्तर से नीचे टिकता है, तो आने वाले सत्रों में 86.80-87 तक सुधर सकता है. जबकि ऊपरी स्तर पर 88.30-88.40 के बीच मज़बूत प्रतिरोध बना हुआ है. इस बीच, डॉलर इंडेक्स, जो छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की ताकत को मापता है, 0.04 प्रतिशत गिरकर 98.91 पर आ गया.

टीसीएस ने ब्रितानी अखबार के दावों को बताया भ्रामक

नयी दिल्ली, 27 अक्टूबर. भारत की सबसे बड़ी सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज(टीसीएस) ने ब्रितानी अखबार द टेलीग्राफ की उस रिपोर्ट को भ्रामक बताया है जिसमें कहा गया था कि स्थानीय ब्रिटेन की कंपनी मार्क एंड स्पेंसर (एमएंडएस) ने साइबर हमले रोकने में विफल रहने के कारण भारतीय कंपनी का अनुबंध समाप्त कर दिया है. टीसीएस ने सोमवार को शेयर बाजार को दिये गये बयान में कहा है, टेलीग्राफ द्वारा प्रकाशित खबर भ्रामक है. इसमें अनुबंध की राशि और टीसीएस के मार्क एंड स्पेंसर के लिए काम करने की निरंतरता समेत तथ्यात्मक विसंगतियां हैं.

समाचार विशेष

नाना पटोले ने राजनीति से बनाई दूरी

कार्यक्रमों-बैठकों और ओबीसी सम्मेलन से नदारद, चर्चाएं तेज

मुंबई. महाराष्ट्र कांग्रेस के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष और ओबीसी नेता विधायक नाना पटोले इन दिनों राजनीतिक मंचों से दूरी बनाकर चल रहे हैं. पिछले कुछ महीनों से वे किसी भी सार्वजनिक कार्यक्रम, सभा या पार्टी मीटिंग में नजर नहीं आए हैं.

सकल ओबीसी समाज के सम्मेलन सहित कई महत्वपूर्ण आयोजनों से उनकी अनुपस्थिति ने राजनीतिक गलियारों में नई चर्चाओं को जन्म दिया है. हालांकि नाना पटोले ने सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि महाराष्ट्र की बदहाली के लिए केंद्र और राज्य दोनों सरकारें जिम्मेदार हैं. कौन कितना लूट रहा है, इसी पर काम चल रहा है. उनके इस बयान ने एक बार फिर राजनीतिक माहौल गर्म कर दिया है.

पटोले ने अपनी राजनीतिक यात्रा की शुरुआत कांग्रेस से की थी. किसानों और ओबीसी के विषय को लेकर भाजपा में चले गए, लेकिन बाद में तत्कालीन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की नीतियों का विरोध करते हुए उन्होंने कांग्रेस का दामन थाम लिया. राहुल गांधी के निकट माने जाने वाले पटोले को राष्ट्रीय स्तर पर किसान महासंघ का अध्यक्ष पद भी दिया गया. भंडारा-गोंदिया लोकसभा क्षेत्र में भाजपा टिकट पर उन्होंने दिग्गज नेता प्रफुल पटेल को पराजित कर अपनी ताकत दिखाई थी. इसके बाद उन्होंने नागपुर में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के खिलाफ चुनाव लड़ा, हालांकि उन्हें सफलता नहीं मिल सकी.

लोकसभा में पराजय के बाद वे भंडारा लौटे और विधानसभा चुनाव जीतकर महाराष्ट्र विधानसभा के सभापति बने. लेकिन उनकी बागी प्रवृत्ति के कारण यह कार्यकाल अधिक दिन नहीं चला. इसके बाद उन्हें महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया, जहां उन्होंने संगठन में अपना प्रभाव मजबूत किया. राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान नाना पटोले कांग्रेस के प्रमुख चेहरों में शामिल थे.

लोकसभा चुनावों के लिए उम्मीदवार चयन में भी उनकी भूमिका अहम रही. परंतु, उनके आक्रामक और एकाधिकारवादी रवैये से पार्टी के भीतर असंतोष पनपने लगा.

अब अलिप्तता और अटकलों का दौर

लोकसभा चुनावों में हार के बाद कांग्रेस ने पराजय की जिम्मेदारी नाना पटोले पर डालते हुए उनसे प्रदेशाध्यक्ष और विधानसभा दल नेता का पद छीन लिया. तब से वे धीरे-धीरे राजनीतिक गतिविधियों से दूर होते गए हैं. अब वे शायद ही किसी कार्यक्रम में नज़र आते हैं, जिससे उनके भाजपा में शामिल होने की अटकलें भी तेज़ हो गई हैं. दूसरी ओर, कांग्रेस में रहते हुए भी उन्हें कोई ठोस जिम्मेदारी नहीं दी गई है. राजनीति से उनकी यह दूरी केवल विश्राम है या किसी बड़े राजनीतिक कदम की तैयारी, इस पर अभी संशय बना हुआ है. फिलहाल, नाना पटोले की अगली राजनीतिक चाल पर पूरे महाराष्ट्र की निगाहें टिकी हुई हैं.

पति को पछाड़ने पत्नी ने झोंकी ताकत

मोतिहारी (पूर्वी चंपारण). राजनीति में कूटनीति का प्रवाह ... जीत की चाह और इस राह के रोड़े ...! पूर्वी चंपारण में इस बार विधानसभा चुनाव में गठबंधन धर्म ... अंतर्कलह ... फिर शह-मात ... और अंत में साम, दाम व दंड भेद का खेल सबकुछ जन की खुली आंखें देख रहीं.

इन सबके बीच छल-प्रपंच से निबटने की रणनीति संग रणभूमि में इस बार योद्धा अपनों के साथ वाला प्रेम युद्ध भी दिखा रहे. कहीं पति-पत्नी तो कहीं पिता-पुत्र के बीच जंग हो रही. अब ये जंग मीठी है फिर तीखी ...! जो भी हो इस खेल को ये जो पब्लिक है, समझती है और दूर खड़े होकर द्रष्टा के रूप में देख रही है ...! राजनीति के जानकार कहते हैं- सबकुछ बुझने के बाद जन का मौन यह बता रहा निर्दलीय प्रत्याशियों ने किस तरह की छिपी चाल चली है.

मोतिहारी विधानसभा में आइएनडीआइए से राष्ट्रीय जनता दल के प्रत्याशी देवा गुप्ता ने राजद के सिंबल पर नामांकन किया है. उनकी पत्नी प्रीति कुमारी ने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में मैदान में हैं. प्रीति मोतिहारी नगर निगम की महापौर हैं और उनके पति देवा गुप्ता राजद के प्रत्याशी हैं. इसके बाद भी प्रीति के द्वारा पर्चा भरे जाने के बाद अटकलें तेज हैं. स्थानीय लोग कहते हैं पति-पत्नी के बीच मधुर संबंध हैं तो फिर बगावत हो नहीं सकती. कहीं विषम परिस्थितियों को टालने की खातिर तो ये संघर्ष नहीं ...! चिरैया में आइएनडीआइए से राष्ट्रीय जनता दल के प्रत्याशी पूर्व विधायक लक्ष्मीनारायण यादव ने पर्चा भरा है. यहां उनके पुत्र लालू प्रसाद यादव भी निर्दलीय प्रत्याशी हैं. यानी यहां भी पिता-पुत्र लड़ेंगे ...! ये प्रेमयुद्ध कौन सा गुल खिलाएगा ये आनेवाला वक्त बताएगा. फिलहाल तो मोतिहारी और चिरैया का ये प्रेमयुद्ध चर्चा का केंद्र बना है.

चुनाव तक बनी रहेगी पहेली

राजनीति के जानकार बताते हैं - इस बार के चुनावी युद्ध में कूटनीति का बड़ा महत्व है. टिकट बंटवारे से लेकर चुनाव तक जिस तरीके की राजनीति के संकेत हैं वो ठीक उसी तरह से है, जैसे अचानक से कोई विषधर बिल से निकलता है और फिर सामनेवाले को सुला देता है. ऐसे में चुनावी रणभूमि में उतरे योद्धाओं ने प्लान बी के तहत अपने स्वजनों को भी अपने सामने योद्धा के रूप में स्वीकार किया है. वहीं कई ने अपने साथी-संगी को अपने सामने रखा है.

विशेष | **कहीं फीका न पड़ जाए पीडीए**

क्या भाजपा को अखिलेश ने दे दिया हथियार

लखनऊ. उत्तर प्रदेश की राजनीति में इस समय दीया विवाद गहराया हुआ है. अखिलेश यादव के बयान पर राजनीति चरम पर है. अखिलेश यादव के बयान पर भारतीय जनता पार्टी की ओर से हमले तेज हो गए हैं. ऐसे में सबसे बड़ी मुश्किल अखिलेश यादव के सामने खड़ी हो गई है.

अखिलेश यादव के बयान ने एक प्रकार से भाजपा को हथियार दे दिया है. अब तक अखिलेश यादव ने जातीय समीकरण पिछड़ा दलित अल्पसंख्यक यानी पीडीए के सहारे अपनी 2027 की तैयारियों को धार दी है. हालांकि, अब इसके जवाब में भारतीय जनता पार्टी ने अखिलेश यादव के बयान को आधार बनाकर हिंदुत्व की राजनीति को धार देना शुरू कर दिया है. जातीय राजनीति की काट के तौर पर इसे देखा जा रहा है.

बढ़ी है सपा की चुनौती- यूपी के राजनीतिक मैदान में अभी अखिलेश यादव के लिए चुनौती काफी बढ़ी हुई है. दरअसल, उनके सामने अब जातीय समीकरण को बनाए और बचाए रखने की सबसे बड़ी चुनौती है. वहीं, भारतीय जनता पार्टी ने अखिलेश यादव के बयान को आधार बनाकर लगातार हमलावर रुख अपनाया हुआ है. समाजवादी पार्टी के तमाम नेता अब भारतीय जनता पार्टी के हमले को काटने में ही पूरी ऊर्जा लग रहे हैं. नए सिरे से आक्रमण को धार नहीं दे पा रहे हैं. दरअसल, अखिलेश यादव ने दीपावली और क्रिसमस को लेकर ऐसा बयान दिया, जिसने प्रदेश के राजनीतिक गलियारे में हलचल मचा दी है.

सीएम योगी हैं हमलावर

सीएम योगी विवाद में किसान और कुमार प्रजापति समुदाय तक को इसमें जोड़ते दिखे हैं. पिछले दिनों एक कार्यक्रम के दौरान सीएम योगी ने कहा कि अखिलेश यादव का बयान सीधे तौर पर हिंदू धर्म की अवधारणा के खिलाफ है. हिंदू धर्म में सभी वर्गों को लेकर चलने की बात है. दीपावली में जलने वाले दीये के तेल किसाने की खेतों से आते हैं. वहीं, कुम्हार-प्रजापति वर्ग मिट्टी के दीये बनाता है.

कांग्रेस की नादानी और तेजस्वी का दांव

पटना. कांग्रेस पार्टी का पुनरूत्थान करने के लक्ष्य के साथ बिहार पहुंचे कृष्णा अल्लावरू कांग्रेस के संभवत: एकमात्र प्रभारी महासचिव हैं, जो वेतन पर नौकरी करते हैं. कांग्रेस उनको वेतन देती है. वे यूथ कांग्रेस में भी वेतन पर ही काम करते थे. तभी उन्होंने बिल्कुल कॉरपोरेट स्टाइल में बिहार में काम किया.

उनको जो मैंडेट था उसमें बिल्कुल लचीलापन उन्होंने नहीं दिखाया. तभी ऐसे तमाम नेता किनारे हो गए, जिनका आधार था, जो बिहार के जानते समझते थे और जिनका लालू प्रसाद के परिवार के साथ अच्छे संबंध थे. उनकी जगह पप्पू यादव जैसे नेता उभर कर सामने आ गए, जिनके साथ लालू परिवार के बहुत खराब संबंध रहे हैं. इस वजह से राजद और कांग्रेस में दूरी बढ़ी. अल्लावरू के साथ जो दूसरे नेता आगे बढ़े वे कन्हैया कुमार हैं. उनका बिहार में कोई राजनीतिक वजूद नहीं है, लेकिन अपने गृह जिले बेगूसराय की राजनीति को वे अपने हिसाब से चलाना चाहते हैं, जो वहां लेफ्ट के साथ संबंध खराब हो गए.

कांग्रेस की बड़ी गलती यह हुई कि उसने बछवाड़ा सीट पर जहां पिछले चुनाव में सीपीआई के अवधेश राय तीन सौ वोट से हारे थे वहां अपने शिव प्रकाश गरीब दास को उतार दिया. इससे नाराज होकर सीपीआई ने तीन सीटों पर कांग्रेस के सामने उम्मीदवार उतार दिए.